पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) 8वीं योजना के निर्माण के समय, योजना के अन्तिम वर्ष अर्थात् 1996-97 में कच्चे तेल का स्वदेशी उत्पादन 47.08 मिलियन टन परिकल्पित किया गया था।

(ख) जी, हां।

(ग) से (ङ) हालांकि यह सच है कि तेल के उत्पादन में कमी हुई लेकिन अब इस स्थिति को पलट दिया गया है। कच्चे तेल का उत्पादन 8वीं पंचवर्षीय योजना के बाकी हिस्से के दौरान निरन्तर बढ़ने की संभावना है। कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिये किये गये उपायों में वर्तमान क्षेत्रों का अतिरिक्त विकास, नये क्षेत्रों का विकास और निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता के साथ मध्यम और लघु आकार के क्षेत्रों का विकास शामिल है।

तेल और प्राकृतिक गैस आयोग की कुछ परियोजनाओं की लागत में वृद्धि

4750. श्री राम जेठमलानी: क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 अप्रैल, 1994 के "फाइनेन्शियल एक्सप्रैस" में "6 ओ० एन० जी० सी० प्रोजेक्टस ओवर शूटकास्ट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि तेल और प्राकृतिक गैस आयोग के निर्माणाधीन कुछ परियोजनाओं की निर्माण लागत में वृद्धि हो गई है ;

(ग) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाओं के नाम क्या हैं। तथा उन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनकी निर्माण लागत में वृद्धि हुई है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं की निर्माण लागत में वृद्धि, इनके पूरा होने में विलम्ब के कारण ही हुई हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो प्रत्येक परियोजना में कितना विलम्ब हुआ है और उसके क्या कारण है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) जी, हां,

(ख) जी, हां,

(ग) नीलम विकास, बी० एच० नार्थ में एल-2 विकास और बी एच साउथ (एल-3 इनाफिल) में ई० ओ०आर०पी० नामक तीन परियोजनाओं में लागत वृद्धि नजर आई है। एल-2 और एल-3 परियोजनाओं के सम्बन्ध में संशोधित लागत अनुमान ओ० एन० जी० सी० से प्राप्त हो गये हैं। नीलम विकास परियोजना के संशोधित लागत अनुमान अब अनुमोदित किये जा चुके हैं,

(घ) लागत में वृद्धि अंशत: मात्र परियोजना के पूरा होने में हुए विलम्ब के कारण ही है, अन्य तत्संगत कारण मुद्रा विनियम दर में परिवर्तन, सांविधिक शुल्कों/करों में परिवर्तन, कार्य क्षेत्र में परिवर्तन इत्यादि हैं।

(ङ)	पूर्ण होने की अनुमोदित तारीख	पूर्ण होने की अनुमानित तारीख
नीलम विकास	मार्च, 1994	जुलाई, 1994
एल–2	अप्रैल 1994	मई, 1994
एल–3	सितम्बर, 1994 (एस० एच० डब्ल्यू को छोड़कर) दिसम्बर, 1994 (एस० एच० डब्ल्यू सहित)	अप्रैल, 1994

नीलम विकास परियोजना में विलम्ब का कारण यह था कि संविदाकार एजेंसी समय पर पक्की वचनबद्धता नहीं दे सकी। अन्य परियोजनाओं में मामूली विलम्ब है जो तकनीकी कारणों से हुए।

Alleged fraud regarding payment to American Firm

4751. SHRI V. GOPALSAMY : Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether any fraud or scandal regarding payments to American firm Western Service Ltd. was detected at ONGC Office of Madras recently ;

(b) if so, what are the details thereof ;

(c) what had been the amount paid to the firm;

(d) whether any tax at source has been deducted from the payment;

(e) whether the amount was later paid back to American firm ;

(f) whether any enquiry has since been ordered and whether any employees/officials have been suspended if so, details thereof ; and

(g) whether any organisation has demanded CBI enquiry into the whole episode ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA) : (a) Yes, Sir.

(b) On 2-12-1993, a cheque for Rs. 30,84,124/- was drawn in favour of M/s. Western Services International, USA. The attempt was detected timely and the cheque was cancelled.

(c) No amount has been paid.

(d) and (e) Do not arise.

(f) and (g) A departmental enquiry was immediately ordered by ONGC and two officers were suspended on 7-12-1993 for negligence of duty. CBI, Madras has also registered a case in this regard.

Production and Import of Crude Oil in the country

4752. DR. MURLI MANOHAR JOSHI:

SHRI TRILOK NATH CHATURVEDI :

SHRI PRAKASH YASHWANT AMBEDKAR:

SHRI RAM JETHMALANI :

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI :

Will the Minister of PETROLEUM and NATURAL GAS be pleased to state :

(a) what has been the production of crude oil in the country during the las; three years ;

(d) what has been the quantity of import of crude oil, petroleum, natural gas and petroleum products during the same period together with their rupee value ;